हिन्दी पाक्षिक

सेमन्या कण्वघाटी

RNI No.: UTTHIN/2013/54659

वर्ष-12 अंक-01 हरिद्वार, शुक्रवार, 15 नवम्बर, 2024 मूल्य-दो रूपया मात्र पृष्ठ-8

जौलजीबी मेला राज्य के लिए एक अनमोल धरोहर : सीएम

पिथौरागढ़। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को जौलजीबी मेला-2024 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने 64.47 करोड़ की 18 योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। जिसमें 29.65 करोड़ के 13 लोकार्पण एवं 34.72 करोड़ के 05 शिलान्यास शामिल हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महिला सवयं सहायता समूहों द्वारा बनाये जा रहे विभिन्न उत्पादों का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जौलजीबी मेला राज्य के लिए एक अनमोल धरोहर है, जो सदियों से भारत-तिब्बत, भारत नेपाल और सीमावर्ती क्षेत्रों में आपसी सौहार्द बढ़ाता है। यह मेला हमारी समृद्ध परंपराओं को संजोने का कार्य करता है। यहां का नेपाल और तिब्बत से सदियों से सांस्कृतिक संबंध रहा है। नेपाल से इस क्षेत्र का रोटी और बेटी का सबंध है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारे संबंध और मजबूत हो रहे हैं। केदारनाथ और पशुपतिनाथ के बीच आध्यात्मिक यात्रा से भी दोनों राष्ट्रों के सबंधों को मजबूती मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मेला भारत और नेपाल के बीच आर्थिक सबंधों को बढ़ाने का कार्य भी करता है। यह मेला छोटे व्यापारियों, किसानों और कारीगरों को अपने उत्पादों का मंच प्रदान करने का बड़ा माध्यम है। हमारी अनेक प्रकार की औषधियों को प्रोत्साहित करने में भी यह मेला महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। जिन गांवों को पहले अंतिम गांव कहा जाता था, इस अवधारणा को बदलकर प्रधानमंत्री ने इन गांवों को देश के पहले गांवों की संज्ञा दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आदि कैलाश आने के बाद इस क्षेत्र में तेजी से आवागमन बढ़ा है। पिछले साल की तुलना में इस बार 10 हजार से अधिक लोगों ने आदि कैलाश के दर्शन किये हैं। इससे हमारे इन क्षेत्रों को आर्थिक रूप से आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। किसानों की आय को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा मंडवा, झिंगोरा और अन्य स्थानीनीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए स्टेट मिलेट मिशन को मंजूरी दी गई है। परंपरागत खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। राज्य में कलस्टर आधारित 18 हजार पॉली हॉऊस बनाने का निर्णय लिया गया है। सड़क कनेटिविटी में विस्तार से किसानों को अपनी उपज को मंडी तक पहुंचाने में आसानी हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमवार्ती क्षेत्रों में आधुनिक सड़कों, सुरंगों और पुलों का निर्माण किया जा रहा है। सीमांत क्षेत्रों के विकास सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में हैं। इन क्षेत्रों के विकास के लिये अनेक कार्ययोजनाओं की मंजूरी दी गई है। मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत पहले चरण में 16 पौराणिक मंदिरों को विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि मक्काना से सेकला तक मोटर मार्ग के निर्माण किया जायेगा। आपदा प्रभावित क्षेत्र लुमती तोक बगीचा बगड़ में सुरक्षा दीवार का कार्य किया जाएगा। मवानी रवानी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण किया जायेगा। तेजम में मिनी स्टेडियम का निर्माण किया जायेगा। तीनखोल ढुंगातोली और पण्डा में चेक डैम निर्माण किया जायेगा। इस अवसर पर केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री अजय टम्टा, विधायक श्री बिशन सिंह चुफाल, श्री हरीश धामी, जिलाध्यक्ष भाजपा श्री गिरीश जोशी, जिलापंचायत अध्यक्ष श्रीमती दीपिका बोरा, ब्लाक प्रमुख धारचूला श्री धन सिंह धामी, जिलाधिकारी पिथौरागढ़ श्री विनोद गिरी गोस्वामी, पुलिस अधीक्षक रेखा यादव उपस्थित थे।

श्रीनगर बैकुंठ चतुर्दशी मेला देवभूमि की आस्था का प्रतीक होने के साथ ही हमारी समृद्ध परंपराओं का भी प्रतीक : सीएम

पौड़ी गढ़वाल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्रीनगर स्थित आवास विकास मैदान में आयोजित सात दिवसीय बैकुण्ठ चतुर्दशी मेला एवं विकास प्रदर्शनी-2024 का द्वीप प्रज्वलित पर शुभारंभ किया। कमलेश्वर महादेव मंदिर में पूजा अर्चना के उपरांत उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर विभागीय स्टॉल का निरीक्षण व जनसमुदाय को संबोधित किया। गुरुवार को मुख्यमंत्री ने श्रीनगर पहुँचकर बैकुण्ठ चतुर्दशी मेला एवं विकास प्रदर्शनी-2024 का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने विभागीय स्टॉल का निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने बैकुंठ चतुर्दशी पर्व पर भगवान कमलेश्वर महादेव मन्दिर में मत्था टेका। उन्होंने भगवान शिव का जलाभिषेक कर प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने शिवलिंग में कमल पुष्प अर्पित किए। मंदिर के महंत श्री आशुतोष पुरी ने पूजा अर्चना सम्पन्न कराई। श्री जय दयाल संस्कृत महाविद्यालय श्रीनगर के छात्रों ने स्वास्ति वाचन किया। मुख्य कार्यक्रम स्थल आवास विकास प्रदर्शनी मैदान में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने श्रीनगर में बैकुंठ चतुर्दशी मेला के शुभारंभ समारोह कार्यक्रम में आए लोगों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि पतित पावनी मां अलकनंदा के तट पर स्थित इस पौराणिक धाम में आकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इस क्षेत्र के पौराणिक मंदिर हमारे राज्य की अनमोल धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष हर वर्ष बैकुंठ चतुर्दशी के अवसर पर आयोजित होने वाला यह मेला देवभूमि की आस्था का प्रतीक होने के साथ ही हमारी समृद्ध परंपराओं का भी प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं इस मेले के आयोजक मंडल को भी साधुवाद देता हूं, क्योंकि आप लोग इस सांस्कृतिक धरोहर को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा था कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा और आज हमारी डबल इंजन की सरकार माननीय प्रधानमंत्री द्वारा कहे गए कथन को चरितार्थ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बद्रीनाथ धाम हो या केदारनाथ धाम, सभी जगह करोड़ों की लागत से मास्टर प्लान काम चल रहे हैं। ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल परियोजना से श्रीनगर समेत पहाड़ में कनेक्टिविटी मजबूत होगी। मुख्यमंत्री ने श्रीनगर क्षेत्र में चल रही योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि मेडिकल कॉलेज में 25 करोड़ की लागत से 50 से अधिक बेड के क्रिटिकल केयर यूनिट का काम चल रहा है। श्रीनगर में 4.88 करोड़ की लागत से रोडवेज बस अड्डा और पार्किंग का निर्माण किया गया है। जो भी क्षेत्र के विकास के लिए जरुरी काम हैं, उनके डॉ धन सिंह प्रयासरत रहते हैं और ये काम हो भी रहे है। श्रीनगर नगर पालिका को नगर निगम में बनाकर तेजी से विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेलकंडी बिलकेदार क्षेत्र में नई टाउनशिप विकसित करने पर जोर दे रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी डॉ0 आशीष चौहान के निर्देशन पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा तैयार की गई गुलदार व मानव संघर्ष न्यूनीकरण आधारित पुस्तक का विमोचन किया। गुलदार से बचाव संबंधी पहलुओं से जुड़ी यह पुस्तिका कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों के पाठ्यक्रम में शामिल की जाएगी। कैबिनेट मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने कहा कि श्रीनगर के विकास में सरकार ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। यहां शिक्षा ग्रहण कर रहे देश के विभिन्न राज्यो से आये छात्रों को शैक्षिक गुणवत्ता व सुरक्षा का वातावरण मिलता है। उन्होंने कहा कि बुधवार को ग्रीष्मकालीन राजधानी भराड़ीसैण से मुख्यमंत्री ने बड़ा संदेश देने का काम किया है। भू-कानून की पहली बैठक भराड़ीसैण में सम्पन्न हुई। राज्य में एक सशक्त भू-कानून लाने से पहले उत्तराखंड के सभी निवासियों से सुझाव लिए जा रहे हैं। हाल की कुछ घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन यापन के लिए किसी भी स्थान पर व्यापार करने की आजादी है लेकिन इस आड़ में संस्कृति से खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष शांति देवी, डीआईजी एसएसबी सुभाष चंद्र नेगी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह, श्रम बोर्ड के सदस्य संपत रावत, अपर जिलाधिकारी ईला गिरी, अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कला, कोटद्वार जया बलूनी, पीडी डीआरडीए विवेक कुमार उपाध्याय उप जिलाधिकारी श्रीनगर नूपुर वर्मा, सहायक नगर आयुक्त श्रीनगर रविराज बंगारी, जिलाध्यक्ष भाजपा सुषमा रावत, बीरेंद्र रावत, नगर मंडल अध्यक्ष जितेंद्र धीरवाण सहित अन्य उपस्थित थे।

नशा करने से भी बढ़ता है मधुमेह : डॉ. सुनील

हरिद्वार। चिन्मय डिग्री कॉलेज के एंटी ड्रग सेल की ओर से विश्व मधुमेह दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला सलाहकार डॉ. सुनील राणा ने पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन से छात्रो को मधुमेह से संबंधित जानकारी दी। बताया कि नशा करने से भी मधुमेह बढ़ता है। एसीएमओ ने कई आंकड़ों के माध्यम से छात्रों को मधुमेह और इससे जुड़ी बीमारियों के दुष्प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपनी दिनचर्या में संतुलित आहार और नियमित व्यायाम को अपनाने का परामर्श दिया। डॉ. अशोक तोमर ने नशे के दुष्प्रभाव पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. आलोक अग्रवाल ने टीम का आभार जताया। इस अवसर पर एंटी ड्रग सेल के नोडल अधिकारी डॉ. प्रदोष शर्मा, डॉ. मनीषा, डॉ. रुचिरा चौधरी, सुरभि गुप्ता, मुस्कान, अभिनव ध्यानी, राजेश व अन्य सदस्य उपस्थित रहे। संचालन डॉ. प्रदोष कुमार शर्मा ने किया।

बाल दिवस के अवसर पर स्पोर्ट्स डे का आयोजन

हरिद्वार। महिला महाविद्यालय पीजी कॉलेज में बाल दिवस के अवसर पर स्पोर्ट्स डे आयोजित किया गया। जिसमें खो-खो, म्यूजिकल चेयर रेस, थ्री लैग रेस ,स्पून रेस, कबड्डी आदि खेलों का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ कॉलेज की पेरेंट्स गवर्निंग बॉडी के सचिव डॉ. अशोक शास्त्री, महाविद्यालय सचिव डॉ. वीणा शास्त्री तथा डायरेक्टर डॉ. अल्पना शर्मा ने किया। डॉ. अशोक शास्त्री ने कहा कि इस तरीके के खेलों से बच्चों का शारीरिक विकास होता है। डॉ. वीणा शास्त्री ने कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के लिए खेलों का प्रतिदिन होना अति आवश्यक है।

डेढ़ लाख के एलईडी चोरी का आरोप, चालक नामजद

हरिद्वार। एक कारोबारी ने एक लोडर वाहन के चालक पर डेढ़ लाख कीमत के एलईडी के गबन का आरोप लगाकर शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शहर कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर गोविंद धीमान निवासी इंद्रा कॉलोनी मुजफ्फरनगर ने बताया कि उनकी पुराना औद्योगिक क्षेत्र में फर्म है। बताया कि सात नवंबर को वाहन स्वामी कल्पना देवी निवासी रेलवे स्टेशन पथरी के वाहन का चालक अभिषेक कुमार निवासी गांव बिशनपुर रुड़की उनके गोदाम से 4.33 लाख के सात एलईडी टीवी और आठ एसी लेकर गीतांजली इलेक्ट्रॉनिक पर डिलीवरी देने के लिए गया था। आरोप है कि रुड़की पहुंचने पर 1,49,200 रुपये के सात एलईडी गायब मिले। पूछने पर चालक ने बताया कि सामान चोरी हो गया। आरोप है कि चालक अभिषेक कुमार ने ही सामान चोरी किया है। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच कर रहे हैं।

सम्पादकीय

धर्म वही जो जीयो या जीने दो की धारणा पर चले

धर्म तो कहता है कि जीयो और जीने दो। जो अपने लाभ के लिए इंसान पर अत्याचार करता है वह तो पशु है, चाहे वह कोई भी धर्म का मानना वाला क्यों न हो। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है- हे अर्जुन! परमात्मा प्राणी मात्र के हृदय में रहते हैं। वास्तव में श्रीमद्भगवत गीता में तो धर्म की व्याख्या भक्ति परक बताई गई है। कहा गया है, जो धर्म भगवान में भक्ति प्रकट न कराए वह धर्म नहीं है, केवल श्रम है। देखो, भक्ति भावनात्मक है और भजन थोड़ा क्रियात्मक है। भक्ति का तात्पर्य है, भगवान के प्रति प्रेम। परमात्मा के प्रति प्रेम का मतलब है प्राणी मात्र के प्रति प्रेम। जब आप किसी के प्रति प्रेम से भर जाते हो तो निश्चित रूप से उसको सुखी करने की चेष्टा में लग जाते हो। प्रेम का सूत्र ही है कि उसका सुख ही मेरा सुख है। वह सुखी है, तो मैं सुखी हूं। इसलिए उसको सुख पहुंचाने की चेष्टा में वह लग जाएगा। वह चेष्टा एक अर्थ में भजन है, तो भजन गाते या गुनगुनाते हुए उसकी सेवा में लग जाते हैं।भक्त वह है जो अपने प्रभु से अविभक्त है। मतलब वह प्रभु से जुदा नहीं है, जुड़ा है। भक्ति हो या भजन, दोनों का आराध्य एक ही है। उपास्य वही है लेकिन भक्ति भावात्मक है, भाव से जुड़ी है और भजन क्रियात्मक है, सेवा से जुड़ा हुआ है। भक्तिमार्ग में पांच प्रकार के भाव बताए गए हैं- वात्सल्य, शृंगार, शांत, सखा और दास। अपनी रुचि के अनुसार जिस भाव से हम युक्त हों, वैसा ही संबंध हम परमात्मा के साथ बना लें। जैसे नंद-यशोदा का वात्सल्य भाव कृष्ण के प्रति है। राधा और गोपियों शृंगार भाव है, अक्रूरजी का दास्य भाव है। योगी ईश्वर को शांत भाव से भजता है। इस तरह से अलग-अलग भाव से उस परम तत्व से युक्त होते हैं।

गुलाबी होंठों के लिए होम मेड लिप बाम

शहनाज़ हुसैन

शर्दियाँ शुरू होने बाली हैं / ऐसे में मौसम में बदलाब , बातावरण में नमी की कमी से होंठों का फटना आम बात होती है क्योंकि होंठों की स्किन बाकी शरीर की स्किन से ज्यादा मुलायम और कोमल होती है और इसीलिए इस पर मौसम का असर जल्दी पड़ता है/सर्दियों में खासकर होंठों के कटने, फटने, शुष्क होने और खुरदुरे नजर आने की दिक्कत बढ़ जाती है इसलिए होठों को मुलायम और सूखने से बचाने के लिए उनकी अच्छे से केयर करना बहुत जरूरी है। होठों को गुलाबी और मुलायम रखने के लिए एक अच्छे लिप बाम का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी होता है। होठों के केयर के लिए वैसे तो कई सारे लिप बाम पैट्रोलियम जेली मौजूद है लेकिन बाजार में मिलने वाले यह लिप बाम को बनाने में कई तरह के केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है जो होंठों को ठीक करने के बजाय नुकसान पहुंचा सकते हैं कई बार होंठ काले भी पड़ने लगते हैं ऐसे में अगर आप घर पर ही नेचुरल तरीके से लिप बाम तैयार करें तो कहीं बेहतर परिणाम मिलेंगे / लिप बाम घर पर बनाने के लिए 8 से 10 पीस -गुलाब की पंखुड़ियां दो पीस विटामिन ई कैप्सूल, एक चम्मच कच्चा दूध और दो चम्मच एलोवेरा जेल लें / लिप बाम बनाने के लिए सबसे पहले गुलाब की पंखुड़ियों को धोकर मिक्सर ग्राइंडर में पीस लें. पंखुड़ियों की पेस्ट को कांच की कटोरी में निकाल लें. अब इस पेस्ट में थोड़ा सा कच्चा दूध, विटामिन ई कैप्सूल का जेल और एलोवेरा जेल को मिला दें./ इन सभी चीजों का मिश्रण अच्छे से स्मूद बना कर पेस्ट को एक कंटेनर में डालें, आपका लिपबाम तैयार हो गया है / इसे एयरटाइट कंटेनर में बंद करके फ्रीज में स्टोर करें. फ्रिज में स्टोर करने के अगले दिन आप लिप बाम का इस्तेमाल कर सकते हैं/ घर में लिप बाम बनाने के लिए गुलाब की पंखुड़िया, 1 चमच्च शहद, 1 चमच्च बैसलीन , और 1 चमच्च नारियल तेल लें / गुलाब की पँखुड़ियों को धोने के बाद एक बर्तन में डाल कर एक कप पानी में पका लें और जब जब अच्छी तरह पक जाये तो छानकर एक कटोरी में निकल लें / अब गुलाब बाले पानी में 1 चमच्च शहद, 1 चमच्च बैसलीन, और 1 चमच्च नारियल तेल मिला लें /जब यह स्मूद हो जाये तो तो इसे एक कंटेनर में डाल कर फ्रीज में रख लें / इसे आप 5 -7 घण्टे बाद इस्तेमाल कर सकते हैं घर में लिप बाम बनाने के लिए 1 चम्मच शिया बटर, 1 चम्मच कोकोआ बटर, 1 चम्मच नारियल तेल, आधा चमच्च शहद, कुछ बुँदे विटामिन ई तेल और गुलाब जल लीजिये/अब छोटे कांच के कटोरे में शिया बटर, कोकोआ बटर और नारियल तेल को डालें। अब इन सामग्रियों को एक छोटे बर्तन में डालकर धीमी आंच पर पिघलने के लिए रखें। आप इन्हें माइक्रोवेव में भी पिघला सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि इनको ज्यादा गर्म न करें। जब सारी सामग्री पिघल जाएए तो मिश्रण को थोड़ी देर के लिए ठंडा होने दें। फिर इसमें शहद और विटामिन ई तेल डाल कर अच्छे से मिला लें । आपका लिप बाम तैयार हो गया है / इसे किसी एयर टाइट कन्टेनर में डाल कर फ्रीज में रख दें और अच्छी तरह सेट होने के बाद इस्तेमाल कर लें / कुछ ही दिनों में सर्दियाँ आने बाली हैं और ऐसे में घी का लिप बाम सोने पर सुहागे का काम करेगा / इसके लिए एक बर्तन में तीन चमच्च घी डालकर गैस पर धीमी आंच पर रख दें और जब घी पूरी तरह से पिघल जाये तो इसमें एक चमच्च शहद और डेढ़ चमच्च नारियल तेल मिला दें / जब यह तरल फॉर्म में आ जाये तो इस मिश्रण को एक जार में डाल कर ठण्डा होने दें /ठण्डा होने के बाद इसे एक कन्टेनर में डाल कर फ्रीज में रख लें और दूसरे दिन इसका इस्तेमाल करना शुरू कर दें।

आशा आकांक्षाओं पर कितना खरा उतरेंगे न्यायमूर्ति खन्ना!

मनोज कुमार अग्रवाल

आप जानते हैं कि जस्टिस संजीव खन्ना भारत के 51वें चीफ जस्टिस बने हैं। उन्होंने 11 नवंबर को चीफ जस्टिस के तौर पर शपथ ली है। जस्टिस खन्ना का कार्यकाल छह महीने एक दिन का होगा। अगले साल ही 13 मार्च को जस्टिस खन्ना रिटायर हो जा जाएंगे। हालांकि उनका कार्यकाल छोटा है लेकिन इस बात में लोगों की खास दिलचस्पी है कि जस्टिस खन्ना का कार्यकाल, उनमें संभावना, उनके न्यायिक में फैसले और भारत के न्यायिक तंत्र में निहित सीमाओं के संदर्भ में कैसा रहेगा। आपको बता दें कि भारत में अल्प कार्यकाल वाले मुख्य न्यायाधीशों का यह इतिहास रहा है, कि अगर वो कोशिश करें तो सुधार को ऐसी दिशा तय कर सकते हैं, जिसका अनुसरण उनके बाद आने के वाले जस्टिस भी कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट में न्यायिक गलतियों और खामियों से बचने में सीजेआई की मुख्य भूमिका होती है। प्रशासकीय मुखिया के तौर पर भी और न्यायिक परिवार के चीफ बतौर भी। सिस्टम की सीमाएं कुछ विसंगतियों को अपरिहार्य बना सकती हैं, लेकिन सीजेआई उनके प्रभाव को कम करने और हल्का करने के लिए उपयुक्त सुधारात्मक कदम उठा सकते हैं। हालांकि केवल लंबित मुकदमों की संख्या ही अकेला मुद्दा नहीं है, जिससे नए सीजेआई को चिंतित होना चाहिए। साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों के कॉलेजियम ने जस्टिस खन्ना की नियुक्ति की सिफारिश की थी, तब वो दिल्ली हाई कोर्ट के जज हुआ करते थे। उस समय 32 अन्य हाई कोर्ट जजों की वरिष्ठता (हाई कोर्ट जज के रूप में नियुक्त की तारीख के संदर्भ में) को नजरअंदाज कर जस्टिस कता का नाम आगे बढ़ाया गया था। पूर्व चीफ जस्टिस रंजन गोगोई ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि कॉलेजियम ने जस्टिस खन्ना के नाम की सिफारिश इसलिए की थी क्योंकि विचार करने योग्य दूसरे नामों के मुकाबले जस्टिस खन्ना का सीजेआई बनना उचित है। तथ्य यह है कि कॉलेजियम सुप्रीम कोर्ट के जज के तौर पर किसी नाम को, उसकी योग्यता और ईमानदारी की बजाय उसके संभावित कार्यकाल के अंतराल आधार पर पर सिफारिश करे, यह कुछ अजीब लग सकता है। लेकिन भारत में हाल के समय में कम कार्यकाल वाले कई मुख्य न्यायाधीशों के इतिहास को देखते हुए यह एक अतिरिक्त कारक बन जाता है, खासकर तब जब कई उम्मीदवार आ योग्यता के मानदंड पूरा कर रहे हों। तथ्य ये भी है कि जस्टिस खन्ना दिल्ली हाई कोर्ट से आते हैं और पिछले 20 सालों से इस हाई कोर्ट का प्रतिनिधित्व में करने वाला कोई जज सीजेआई नहीं बना था। रिटायर्ड जज गोगोई के हवाले से, यह भी उनके पक्ष में गया। जस्टिस खन्ना को 2005 में एडीशनल हाई कोर्ट जज के रूप में नियुक्त किया गया और फरवरी 2006 में वो परमानेंट जज बन आ गए। परमानेंट जज बनने से पहले वकालत में उनका अनुभव 23 साल का हो रहा था। इसके अलावा उन्होंने टैक्स मामलों, मध्यस्थता, कंपनी लॉ, भूमि अधिग्रहण, स्वास्थ्य और पर्यावरण से वे जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के ट्रिब्यूनल में भी के काम किया। अक्सर सार्वजनिक रूप से बोलने और यह सार्वजनिक कार्यक्रमों में राजनेताओं से साथ दिखने की कामकाजी जरूरतों के बावजूद, उनके सार्वजनिक रिकॉर्ड को देखते हुए, कमोवेश उनकी एकांतप्रिय छवि रही है। हाल के सालों में सीजेआई कार्यालय, मास्टर ऑफ दि रोस्टर की दोहरी भूमिका के चलते लगातार सार्वजनिक पड़ताल के दायरे हुई में आता गया है। मास्टर ऑफ दि रोस्टर के रूप में प्रत्येक सीजेआई, सुप्रीम कोर्ट में जजों के रोस्टर को निर्धारित करते हैं। हालांकि मुकदमों की उपलब्धता और उनको वरिष्ठता के आधार पर कम्प्यूटर द्वारा नियमित रूप से रोस्टर के मुताबिक अलग-अलग जजों को आवंटित किया जाता है। लेकिन समय-समय पर मास्टर ऑफ दि रोस्टर मुकदमों की लिस्टिंग में बदलाव करता है। यह अक्सर इस आलोचना को जन्म देता है कि मास्टर ऑफ दि रोस्टर की शक्तियां मनमानी हैं और किसी मामले में सरकार के पक्ष में नतीजे लाने के लिए, मुकदमे की सुनवाई को सुनिश्चित करने में इसके दुरुपयोग की संभावना है। चाहे यह किसी राजनीतिक बंदी की जमानत पर सुनवाई हो या किसी विधायिका या कार्यपालिका के निर्णयों को चुनौती देना कुछ खास मान्यताएं और रुझान रखने वाले कुछ खास जजों के सामने सुनवाई के लिए मुकदमे की लिस्टिंग करने से पक्षपाती नतीजे आने की संभवना होती है और इस कारण यह आलोचना के घेरे में आ जाता है। जस्टिस खन्ना उस फैसले के लेखक थे, जिसमें कहा गया था कि न्यायिक स्वतंत्रता, पारदर्शिता की जरूरत का विरोधाभासी नहीं है। प्रेक्षकों ने पूछा है कि इसलिए क्या जस्टिस खन्ना वही करेंगे, जो वो कहते हैं और मास्टर ऑफ दि रोस्टर के रूप में अपनी शक्तियों के इस्तेमाल में और सुप्रीम कोर्ट की से कॉलेजियम प्रणाली में अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करेंगे? सीजेआई की शुरू अध्यक्षता वाला सुप्रीम कोर्ट का कॉलेजियम एक दूसरा निकाय है, जिसकी कार्यप्रणाली गोपनीय बनी हुई है, जबकि कई प्रधान न्यायाधीशों ने इसे देश अधिक पारदर्शी बनाने की कोशिशें कीं। विभिन्न उच्च न्यायालयों में जजों की नियुक्ति के प्रस्तावों पर सरकार के साथ चल रही रस्साकशी में कॉलेजियम संब को कार्यपालिका के सामने झुकते देखा जाता है। हालांकि कानूनन, कॉलेजियम की सिफारिश अगर दुहराई गई हो तो सरकार के लिए बाध्यकारी जन होती है। क्या जस्टिस खन्ना इस ट्रेंड से कोई बिल्कुल अलग रास्ता अखतियारको करेंगे? चूंकि इस पद पर आने वाले अधिकांश मुख्य न्यायाधीश इसे एक कि प्रशासकीय मुद्दे के रूप में देखना पसंद करते हैं, इसलिए सरकार को न्यायिक रूप से अनुशासित करने की किसी भी कोशिश, सफल होने की संभावना कम ही है क्योंकि इससे कॉलेजियम के प्रस्तावित नामों की नियुक्तियों और ट्रांसफर में देरी होती है। जस्टिस खन्ना ने कुछ ऐतिहासिक फैसले दिए हैं, जिससे उनके न्यायिक फलसफे का अंदाजा लगता है, जिसे कई जानकार सम सरकार समर्थक होने के रूप में देख सकते हैं। उन्होंने ईवीएम में डाले गए 100 प्रतिशत बोटों का वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) के साथ मिलान करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। जस्टिस खत्रा की अगुवाई वाली सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सबसे पहले लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए जमानत दी और बीते जुलाई में इस आधार पर उन्हें नियमित जमानत दी कि वो 90 दिनों तक जेल में रह चुके थे। जमानत देने के बाद अदालत ने मुख्यमंत्री के ईस् तौर पर काम करने की उनकी सीमाएं निर्धारित की थीं जिसके बाद उन्होंने कि इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने की से बरकरार रखने पर सहमति दी थी, जिसके तहत तत्कालीन जम्मू और कश्मीर कम राज्य को विशेष राज्य का दर्जा हासिल था। उन्होंने दलील दी कि विशेष दर्जे को रद्द किया जाना, संघीय ढांचे का बंधन नहीं है क्योंकि जम्मू और कश्मीर प्रति में रहने वाले नागरिकों को वही दर्जा और अधिकार प्राप्त होगा जो देश के अन्य हिस्सों में रहने वाले नागरिकों को हासिल हैं। उन्होंने अपने साथी जजों चान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस संजय किशन कौल के साथ, सरकार के इस बयान को रिकॉर्ड पर लेने की सहमति दी थी कि वह जम्मू और कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश के राज्य का दर्जा बहाल करेगी। लद्दाख को नोन केंद्र शासित प्रदेश बनाए जाने के फैसले को बरकरार रखा। लेकिन अपने अलग फैसले में उन्होंने साफ तौर पर कहा कि किसी राज्य को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के गंभीर परिणाम होते हैं और इसका संघीय ढांचे पर असर होता एक है। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश बनाने को जायज ठहराने के लिए जो मजबूत और ठोस आधार की जरूरत थी और इसमें संविधान के अनुच्छेद तीन का कड़ाई से अनुपालन होना चाहिए। उन्होंने ये नहीं कहा कि क्या सरकार इन शर्तों को पूरा कर रही थी? वो पांच जजों की उस बेंच का हिस्सा क भी थे, जिसने अपने फैसले में यह कहते हुए केंद्र सरकार के इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को असंवैधानिक करार दिया था कि दानदाताओं को निजता का चाल अधिकार नहीं है। वहीं जस्टिस खन्ना विवादों से परे नहीं हैं। तत्कालीन सीजेआई रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली तीन जजों की उस बेंच का वह हिस्सा थे, जिसने सुप्रीम कोर्ट की एक पूर्व कर्मचारी द्वारा गोगोई के खिलाफ लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों को खारिज करने के लिए शनिवार (20 अप्रैल, 2019) को सुनवाई की थी। इस बैंच में जस्टिस गोगोई और जस्टिस अरुण मिश्रा के अलावा जस्टिस खना की मौजूदगी ने प्रेक्षकों को भी हैरानी में डाल दिया था क्योंकि बेंच ने मीडिया को आरोपों की रिपोर्टिंग करने से रोकने का निर्देश दिया था, जबकि इस सुनवाई ने अपने आप में गोगोई के हितों के टकराव को उजागर कर दिया था। हालांकि बेंच के फैसले में गोगोई को बाहर रखा गया था। सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की आंतरिक जांच में गोगोई को क्लीन चिट दे दी गई और इस रिपोर्ट को गोपनीय रख लिया गया। अपने कार्यकाल के समाप्त होने पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने जस्टिस खना की, उनके उच्च निष्पक्षता और शांत रहने की क्षमता और कोर्ट की गर्मागरम बहसों के बीच मुस्कुराते रहने और साथ ही सीजेआई कार्यालय में समृद्ध अनुभव जोड़ने के लिए सार्वजनिक रूप से प्रशंसा की है। व्यक्तिगत रूप से जस्टिस खन्ना को, अपनी ईमानदारी के लिए मशहूर जजों के परिवार से आने के नाते काफी सम्मान हासिल है। । वह सुप्रीम कोर्ट कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस हंस राज खन्ना के भतीजे हैं, जिन्होंने इमरजेंसी के दौरान हैबियस कॉर्पस के मामले में अकेली असहमति जताई थी और कहा था कि बिना उचित प्रक्रिया के नागरिकों के बुनियादी अधिकारों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। बाद में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार ने अगले सीजेआई के चुनाव में उनकी वरिष्ठता को नजरअंदाज कर दिया था। जस्टिस एचआर खन्ना ने इसके बाद इस्तीफा दे दिया था और अपनी अलग छवि पेश कर एक मिसाल कायम की थी।

कांग्रेस कार्यालय में इंडिया गठबंधन और सिविल सोसाइटी की बैठक

देहरादून (नि०स०)। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में इंडिया गठबंधन और सिविल सोसाइटी की बैठक बुलाई बैठक में लिए गए निर्णय पर संयुक्त रूप से बयान जारी कर इंडिया गठबंधन और सिविल सोसाइटी के नेताओं ने कहा कि ।

केदारनाथ विधानसभा उपचुनाव में इंडिया गठबंधन की सभी पार्टियां और सिविल सोसाइटी, उपचुनाव में भाजपा की हार सुनिश्चित करने के लिए एकजुट हो कर काम करेंगे. इस निर्णय में इंडिया गठबंधन की पार्टियों- कॉंग्रेस, भाकपा, माकपा, भाकपा(माले), सपा और सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों की संयुक्त, उपस्थिति और सहमति रही ।

बैठक में मौजूद नेताओं ने कहा कि भाजपा के कुशासन से पूरे उत्तराखंड की जनता त्रस्त है और केदारनाथ का उपचुनाव भाजपा की विदाई की पटकथा लिखेगा. उत्तराखंड में भाजपा की डबल इंजन सरकार हर मोर्चे पर विफल है और जनता को परेशानी, हताशा और निराशा के अलावा इस सरकार से कुछ भी हासिल नहीं हुआ. इंडिया गठबंधन और सिविल सोसाइटी के नेताओं ने कहा कि भाजपा की सरकार शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य समेत हर मसले पर पूरी तरह विफल सिद्ध हुई है. उत्तराखंड में भाजपा की सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचारियों की संरक्षक बनी हुई है. महिलाओं की सुरक्षा को गंभीर खतरा राज्य में पैदा हो गया है. आए दिन महिलाओं के विरुद्ध अपराध की घटनाएं सामने आ रही हैं. लेकिन राज्य की भाजपा सरकार इन पर प्रभावी तरीके से अंकुश लगाने का उपाय करने में नाकाम है. राज्य के मुख्यमंत्री समेत तमाम लोग सिर्फ ऐसी घटनाओं में तब ही मुंह खोलते हैं, जबकि घटनाओं का सांप्रदायिकरण करना हो. केदारनाथ में भाजपा की पदाधिकारी रही महिला के साथ दुष्कर्म की कोशिश हुई और इस मामले की एफ़आईआर तक विपक्ष के नेताओं के हस्तक्षेप के बाद हो पायी. इंडिया गठबंधन के नेताओं ने कहा कि केदारनाथ समेत पूरी केदार घाटी भाजपा शासन में जबरदस्त उपेक्षा का शिकार हुई है. केदारनाथ मंदिर में 228 किलो सोना लगाने का दावा भाजपा सरकार और उसके नेतृत्व वाली मंदिर समिति ने किया. फिर खुलासा हुआ कि सोने की जगह पर पीतल लगा दिया गया. यह दर्शाता है कि भाजपा सिर्फ धर्म की राजनीति करना चाहती है और मौके पर धार्मिक स्थलों पर भी गबन करने में नहीं चूकती है. केदारनाथ की यात्रा को जिस तरह उत्तराखंड की भाजपा सरकार ने संचलित किया, उससे इस यात्रा पर आजीविका के लिए निर्भर आम लोग हाथ मलते रह गए. केदारनाथ धाम में होने वाले निर्माण कार्यों से लेकर बाकी तमाम गतिविधियां सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी के कॉरपोरेट मित्रों एवं गुजरात की कंपनियों को लाभ के लिए संचालित की जा रही हैं. स्थानीय लोगों एवं कारोबारियों के हिस्से में कुछ भी नहीं आ रहा है । इंडिया गठबंधन के नेताओं ने कहा कि केदार घाटी के लोग इस उपेक्षा और ठगी का जवाब उपचुनाव में देंगे.

19 नवंबर को भरतपुर में मेगा कौशल महोत्सव, 11 हजार से ज्यादा अवसर

देहरादून (नि०स०)। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के तत्वाधान में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) 19 नवंबर को भरतपुर में एक मेगा जॉब फेयर, कौशल महोत्सव का आयोजन कर रहा है। भरतपुर के विधायक सुभाष गर्ग ने गुरुवार को रोजगार मेले पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह युवाओं को अपने संबंधित क्षेत्र में करियर बनाने का अवसर है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान घोषणा करते हुए, सुभाष गर्ग ने कहा, कौशल और उद्यमिता पर, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का फोकस रहा है क्योंकि भारत जैसे बड़े देश में, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय एकमात्र ऐसा मंत्रालय है जो बढ़ते भारत की जरूरतों को पूरा कर सकता है। कौशल महोत्सव का मुख्य फोकस नियोक्ताओं और रोजगार के लिए तैयार युवाओं के बीच की खाई को पाटना है, ताकि उन्हें आज के तेज गति वाले उद्योगों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक सॉफ्ट स्किल सीखने का अवसर मिल सके। एनएसडीसी ने इतिहास में पहली बार ग्राम पंचायत के साथ भी काम किया है, जो भरतपुर कौशल महोत्सव को एक पायलट प्रोजेक्ट और ग्रामीण भारत को सहायता प्रदान करने की अपनी तरह की अनूठी पहल बनाता है। इस अवसर पर उपस्थित राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के सीईओ और एनएसडीसी इंटरनेशनल के मैनेजिंग डायरेक्टर वेद मणि तिवारी ने कहा, हमारी सरकार का ध्यान हमेशा युवाओं को नौकरी की सुरक्षा प्रदान करने पर रहा है। पूरे भारत में कई कौशल महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं, जहाँ युवाओं को नियोक्ताओं से मिलने और नौकरी के बाजार में प्रवेश करने के अवसर दिए जा रहे हैं। एनएसडीसी युवाओं को आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए इस अद्भुत अवसर के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए देश के कोने-कोने तक पहुँच रहा है, जिससे उन्हें रोजगार पाने में मदद मिलेगी।

पेंशन भोगियों के लिए आयोजित होगा राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान 3.0

देहरादून । पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय,भारत सरकार, केंद्र सरकार के पेंशन भोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र जमा करने के लिए फेस ऑथेन्टिकेशन तकनीक को बढ़ावा देने के लिए नवंबर, 2024 में राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र (डीएलसी) अभियान 3.0 आयोजित कर रहा है। फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक एक ऐसी तकनीक है , जिसके द्वारा पेंशनभोगी किसी भी एंड्रॉइड स्मार्टफोन से अपना डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र जमा कर सकते हैं। इस वर्ष 2024 में देहरादून में कई शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। ये शिविर शहर में भारतीय स्टेट बैंक की 5 शाखाओं – आइएमए, बीरपुर, सहारनपुर रोड, डिफेन्स कालोनी और आई आई पी टाउनशिप पर लगाए जा रहे हैं। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक भी देहरादून ज़िले के सभी डाकघरों पर निर्धारित तिथियों को यह शिविर लगा रहा है।

पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग के अवर सचिव, श्री समीन अंसारी 11 नवंबर, 2024 को इन शिविरों में जाकर, जीवन प्रमाणपत्र जमा करने हेतु विभिन्न डिजिटल तरीकों जैसे फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक के बारे में पेंशनभोगियों को जागरुक करेंगें। यूआईडीएआई इन शिविरों में पेंशनभोगियों के आधार रिकार्डों को अद्यतित करने में मदद करेगा तथा डीएलसी जनरेशन में होने वाली तकनीकी समस्याओं का समाधान करेगा।

राज्य में उड़ान योजना के तहत बन रहे हैं 18 हेलीपोर्ट्स : सीएम

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को उत्तराखण्ड हवाई सम्पर्क योजना के तहत सहस्त्रधारा (देहरादून) से जोशियाडा (उत्तरकाशी) और सहस्त्रधारा (देहरादून) से गौचर (चमोली) के लिए हेलीकॉप्टर सेवा एवं दिल्ली से पिथौरागढ़ विमान सेवा का सीएम आवास से वर्चुअल शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हवाई सेवाएं, राज्य के विकास में मील का पत्थर साबित होने जा रही हैं, इसलिए सरकार उड़ान योजना के तहत 18 स्थानों पर हेलीपोर्टस का निर्माण कर रही है।

मुख्यमंत्री धामी ने इन सेवाओं को प्रारंभ करने में सहयोग देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडु जी का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये तीनों परियोजनाएँ हमारे राज्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होने जा रही हैं, इन सेवाओं के प्रारंभ होने से राज्य में पर्यटन एवं आर्थिक विकास को गति मिलने के साथ-साथ सीमांत क्षेत्र पिथौरागढ़ की जनता को देश की राजधानी तक पहुँचने के लिए एक नया और बेहतर विकल्प मिल सकेगा। इन हवाई सेवाओं के प्रारंभ होने से आपातकालीन और आपदा प्रबंधन कार्यों में भी गति आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड हवाई संपर्क योजना के तहत देहरादून सहस्त्रधारा से जोशियाड़ा और गौचर के लिए हेलीकॉप्टर सेवा का प्रारम्भ होना हमारे राज्य के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। अब देहरादून से जोशियाड़ा की यात्रा केवल 40 मिनट और गौचर की यात्रा मात्र 50 मिनट में पूरी की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि यह कदम हमारे पर्वतीय क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व आम आदमी को भी हवाई यात्रा करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से दूरदर्शी योजना उड़ान का शुभारंभ किया था। इस योजना ने उत्तराखंड में भी हवाई संपर्क को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उड़ान योजना के अंतर्गत राज्य में वर्तमान में 18 हेलीपोर्ट्स विकसित किए जा रहे हैं। जिनमें से अब तक 10 हेलीपोर्ट्स पर हवाई सेवाएं सफलतापूर्वक शुरू की जा चुकी हैं। इन हेली सेवाओं से श्रीनगर, हल्द्वानी, मुन्स्यारी, पिथौरागढ़, पंतनगर, चंपावत और अल्मोड़ा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सफलतापूर्वक जोड़ा जा चुका है। आने वाले समय में राज्य के अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों को भी हेली सेवाओं से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि जहाँ पहले पहाड़ों के दुर्गम रास्तों को पार करने में घंटों लग जाया करते थे, वहीं अब हम एक घंटे के अंदर ही सुदूर पहाड़ी क्षेत्रों तक आसानी से पहुँच सकेंगे। इन हवाई सेवाओं के प्रारंभ होने से जहां एक ओर हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा वहीं स्थानीय व्यवसाय, होमस्टे और युवाओं हेतु रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। हवाई कनेक्टिविटी की महत्ता को समझते हुए राज्य सरकार घरेलू उड़ानों को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दे रही है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह, विधायक उमेश शर्मा काऊ, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, सचिव शैलेश बगोली, मुख्य कार्यकारी अधिकारी युकाडा सोनिका, एसीईओ दयानन्द सरस्वती, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर पवन हंस संजय, एलान्स एयर से रंजन दत्ता, आर. सी. शर्मा वर्चुअल माध्यम से पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, केन्द्रीय राज्य मंत्री अजय टमटा, विधायक सुरेश सिंह चौहान, अनिल नौटियाल, जिलाधिकारी उत्तरकाशी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट, जिलाधिकारी चमोली डॉ. संदीप तिवारी और जिलाधिकारी पिथौरागढ़ विनोद गिरी गोस्वामी उपस्थित थे।

धस्माना ने व्रतियों संग सूर्य को चढ़ाया अर्घ्य

देहरादून (नि०स०)। सम जम नियम से छठ पूजन करने वाले व्रतियों की सभी मनोकामनाएं छठी मैय्या पूरी करती हैं यह बात आज उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने हरबंसवाला टी स्टेट में छठ पूजा के लिए पहुंचे हजारों श्रद्धालु व्रतियों को छठ महापर्व की बधाई देते हुए कही। श्री धस्माना ने विगत अनेक वर्षों की तरह हरबंस वाला टी स्टेट में कांग्रेस द्वारा लगाए गए शिविर में प्रसाद वितरण किया व व्रतियों के साथ सांयकाल अस्तांचल सूर्य भगवान को अर्घ्य चढ़ाया व आरती की। उन्होंने अपने बधाई संबोधन में कहा कि पूर्वांचल के छठ पूजन महापर्व की धूम अब पूरे देश में होती है और सभी देश वासी पूर्वांचल के लोगों के साथ छठ महापर्व का आनंद उठाते हैं। श्री धस्माना ने कहा कि चार दिवसीय इस महापर्व में नहाए खाए , खरना ,संध्या अर्घ्य से लेकर चौथे दिन प्रात: अर्घ्य का चार दिन का सफर किसी तपस्या से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि 36 घंटे का निर्जला व्रत , जमीन पर सोना, जल में खड़े हो कर अस्तांचल सूर्य व फिर अंतिम दिन प्रात: जल में खड़े हो कर उगते सूर्य को अर्घ्य देने तक का चार दिवसीय महापर्व आध्यात्मिक व सांस्कृतिक समागम की तरह मनाया जाता है। श्री धस्माना ने कहा कि अपने श्रम और मेहनत के बल पर आज पूर्वांचल के लोगों ने पूरे देश विदेश में अपनी पहचान बनाई है और इसलिए वे जहां भी जाते हैं उस जगह के लोगों में अपनी संस्कृति को भी लोकप्रिय बना देते हैं। इस अवसर पर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष डाक्टर जसविंदर सिंह गोगी ने छठ महापर्व की बधाई देते हुए कहा कि छठ पूजा आज पूरे उत्तराखंड व पूरे देश में लोकप्रिय हो गई है और ऐसा लग रहा है जैसा सारा पूर्वांचल आज वसंत विहार टी स्टेट में आ गया हो। धस्माना ने अंत में देश की प्रसिद्द भोजपुरी गायिका श्रीमति लोक गायिका शारदा सिन्हा व मार्चुला बस दुर्घटना में मृत लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की व दो मिनिट का मौन धारण करवाया। इस अवसर पर पूर्वा सांस्कृतिक मंच के श्री सुभाष झा, श्री हरि राव, श्री बुद्धिनाथ मिश्र, महानगर कांग्रेस अध्यक्ष डाक्टर जसविंदर सिंह गोगी,पूर्व पार्षद राजेश पुंडीर,श्रीमति अनिता दास, श्री अवधेश कुमार,श्री शुभम सैनी,श्री संजय भारती,श्री इजहार,श्री सोनू काज़ी,श्री राम कुमार थपलियाल,श्री ट्विंकल अरोड़ा,श्रीमति पायल बहाल,श्री शोभित तिवारी,श्री राम बाबू, श्री अभिषेक तिवारी,श्रीमति सुशीला बेलवाल शर्मा,श्री वीरेश शर्मा,श्री आशुतोष द्विवेदी,शहरी संदीप जिंदल, समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

add

add

आंखों के आगे इतिहास!

हरिशंकर व्यास

हां, आंखों देखा इतिहास! ऐतिहासिक मोड़ पर है मौजूदा सिरमौर सभ्यता अमेरिका। वह इस सप्ताह अपने हाथों अपनी सभ्यता का इतिहास बनाएगी। अमेरिकी मतदाता तय करेंगे कि वे अपने सभ्यतागत मूल्यों और सांचे की निरंतरता में कमला हैरिस को जिताते हैं या वैयक्तिक तानाशाही जिद्द वाले डोनाल्ड ट्रंप को जिताते हैं। डोनाल्ड ट्रंप का अर्थ अमेरिका में विभाजन, संस्थाओं के पतन की गारंटी है। और जब कोई सभ्यता घर में विभाजित होती है तो उसकी ताकत, एकता, बुद्धि सब धरी रह जाती है। दो खेमों में विभाजित देश फिर धर्म, नस्ल, धन और अहंकार की आपसी लड़ाई का अखाड़ा होता है। ज्योंहि ऐसा हुआ त्योंहि सभ्यता को खत्म करने की ताक में बैठी बर्बर नस्ल और धर्म के लिए मौका खुलता है।

आज इस मौके की ताक में चीन है तो पुतिन और इस्लाम भी है। इन तीनों के इरादे आंखों के आगे लाइव उपस्थित हैं। सोचें, जिस अमेरिका ने इस सदी के आरंभ में, 9/11 के बाद आतंकवाद (इस्लाम) के खिलाफ वैश्विक जंग का हुंकारा मारा था, वह भटका हुआ है और उसकी जगह वह इजराइल इस्लाम को ठोक रहा है, जिसके नेता नेतन्याहू बिना इस समझ के क्रूरता दर्शा रहे हैं कि वे बंधकों को छुड़वा रहे हैं, बदला ले रहे हैं, देश को सुरक्षित बना रहे हैं या क्रूसेड है? मेरा मानना है इजराइल का ठोकना इस्लाम को और जिद्दी बनाना है? इसके नतीजे उलटे और उग्र होंगे। उस नाते यहूदियों और ईसाईयों दोनों की नासमझी है जो वे अपने जिद्दी भाई (अब्राहम की संतान, इस्लाम) को अपने मूल धर्म में लौटाने, उनकी घर वापसी की नहीं सोचते, बल्कि ठोक-ठोक कर तीसरे महायुद्ध, सभ्यतागत संघर्ष का पानीपत मैदान बना दे रहे हैं।

इस्लाम की लाइव ठुकाई के फोटो इस्लाम को सुलगाने वाले हैं। निश्चित ही अतीत में इस्लाम की क्रूर तलवार और क्रूसेड़ के दृश्य आज के मुकाबले बेइंतहा खौफनाक थे। मगर पहले और दूसरे महायुद्ध के क्रम में यदि तीसरे महायुद्ध का सिनेरियो बन रहा है तो वह इस कारण पूरी पृथ्वी के लिए घातक होना है क्योंकि अब परमाणु हथियारों के जखीरे की वास्तविकता भी है।

इसलिए यहूदी बनाम मुसलमान, ईसाई बनाम इस्लाम, इजराइल बनाम ईरान, अमेरिका बनाम चीन, यूक्रेन बनाम रूस, उत्तर कोरिया बनाम दक्षिण कोरिया आदि की हकीकत का कुल सार आमने सामने की सीधी लड़ाई के पाले बनना है। हर पक्ष की जिद्द खूंखार होती हुई है। एक तरफ अमेरिका, पश्चिमी सभ्यता तथा ईसाई और यहूदी हैं तो दूसरी और चीन है। फिर इस्लाम (जो इजराइल की ठुकाई से चीन-रूस से जुड़ता हुआ है) है। चीनी नेता बोलते नहीं हैं। न राष्ट्रपति माओ, देंग शियाओ पिंग भड़भडिया नेता थे और न शी जिनफिंग हैं। ये चीनी नेता अतीत के अपने गौरव हान सभ्यता की वैश्विक पताका में चीन की श्रीवृद्धि के राष्ट्रवादी हैं। इनके लिए याकि मौजूदा चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की ठोस पूंजी (रूसियों की तरह) क्रूर, कठोर, परिश्रमी चाइनीज जनता है। जिसका कभी भी लोकतंत्र, मानवीय मूल्यों, स्वतंत्रता से सरोकार नहीं रहा है। तभी माओ की क्रांति हो या देंग और शी जिनफिंग के वैश्विक कारखाने, अमीरतम बनने का मिशन, सभी में नेतृत्व, पार्टी और जनता ने एकनिष्ठता से काम किया है। उसके लिए असुरी महाशक्ति बनना मुश्किल नहीं था।

इसका लक्ष्य अब अमेरिका व पश्चिम सभ्यता की जगह अपने झंडे, अपनी व्यवस्थाओं में दुनिया को चलाना है। राष्ट्रपति शी जिनफिंग और उनके रणनीतिकारों ने चुपचाप बिसात बिछा दी है। चीन का लक्ष्य अमेरिका की जगह लेना है। एशिया का अधिपति होना है। चीन के लिए भारत, जापान, दक्षिण एशिया, ताइवान, आसियान देशों का जीरो अर्थ है। इसलिए क्योंकि ज्योंहि अमेरिका का पतन हुआ, दुनिया की उसकी चौधराहट छूटी या उसने छोड़ी तो पलक झपकते ये तमाम छोड़े बड़े देश चीन की कॉलोनी होंगे। यों भी दक्षिण या तीसरी दुनिया के ये देश आर्थिक तौर पर चीन से बंधे, उस पर आश्रित हैं। उधर परोक्ष तौर पर चीन ने रूस या पाकिस्तान के मार्फत मध्य एशिया के सभी इस्लामी देशों के अलावा अफगानिस्तान के तालिबान, ईरान और उन सब मुस्लिम देशों का विश्वास जीत लिया है जो इजराइल के हाथों घायल हैं।

अपनी इस ग्रैंड योजना, वैश्विक बिसात में चीन किस शातिरता से फैसले करते हुए है इसका प्रमाण ब्रिक्स की हालिया शिखर बैठक थी। राष्ट्रपति शी जिनफिंग और पुतिन ने बैठक में तुर्की के उन राष्ट्रपति एर्दोआन को बुलाया जो उइगर मुसलमानों के उत्पीडन् के हवाले चीन के खिलाफ बोलते थे। एर्दोआन को शी और पुतिन ने पटा लिया है। वे इनसे वैसे ही संतुष्ट हैं, जैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत में यह हल्ला बनवाते हुए हैं कि कितनी बड़ी कूटनीतिक जीत हुई जो चीन ने लद्दाख में अपनी सेना पीछे की। भारत भी चीन के साथ बहुपक्षीय विश्व बनाने की और बढ़ता हुआ है। अर्थात भारत और चीन भाई भाई तथा अमेरिका, पश्चिमी सभ्यता की दादागिरी के खिलाफ विश्व राजनीति में हिंदू राष्ट्र की भी एक अलग स्वतंत्र ढपली व विश्व व्यवस्था। और हम दक्षिण ब्लॉक, गुटनिरपेक्ष जमाने के देशों और परंपरागत मित्र रूस तथा चीन के हमराही हैं!

बहरहाल, लाइव इतिहास फिलहाल अमेरिका बनाम चीन तथा यहूदी बनाम इस्लाम की जोर आजमाइश व परिवर्तनों का है। इसका एक अनहोना फोटो चीन और रूस द्वारा ठेठ यूरोप की सीमा पर बर्बर उत्तर कोरियाई सैनिकों को पहुंचा देना है। कल्पना करें डोनाल्ड ट्रंप जीते और उन्होंने यूक्रेन की मदद रोक कर रूस से समझौते का दबाव बनाया तो पुतिन के हौसले कितने बुलंद होंगे? रूसी-उत्तरी कोरियाई सेना के तब जश्न के फोटो यूरोपीय संघ पर कैसा प्रभाव बनाएंगे? ईरान के हौसले बुलंद होंगे या कम होंगे? हालांकि डोनाल्ड ट्रंप को ईरान विरोधी तथा नेतन्याहू परस्त माना जाता है लेकिन व्यक्तिवादी नेता ने यदि खुमैनी के घर जा कर पकौड़े खाने तथा अपने को अमनपरस्त बनाने की ठानी तो उसके गिरगिटी व्यवहार में रंग तो बदलते ही रहेंगे।

असल बात डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से विभाजित अमेरिका, विभाजित पश्चिमी बिरादरी की है। इसके सिनेरियो में चीन के लिए स्वर्णिम मौका बनेगा। वह अमेरिका को रिप्लेस कर अपने को नई विश्व व्यवस्था, नई मौद्रिक वित्तीय व्यवस्था का संचालक बनने की और बढ़ेगा। पृथ्वी की धुरी होने के हान सभ्यता के इलहाम को वास्तविकता के पंख लगेंगे। आर्थिक-सैनिक-राजनीतिक ताकत में सिरमौर होने का मौका खुलेगा।

सो, आंखों के आगे तीसरे महायुद्ध व सभ्यताओं के संघर्ष की अग्रिम झांकी है वही पृथ्वी के इतिहास का मोड़ भी है। इस सप्ताह स्पेन के वेलेंसिया में आठ घंठे की बारिश का वीडियो दहला देने वाला था। जलवायु परिवर्तन और विनाश की और बढ़ती पृथ्वी की सेहत की वह झांकी थी। वेलेंसिया विकसित देश का संपन्न इलाका है। इसलिए जलवायु परिवर्तन, बाढ़ या सूखे के एक्स्ट्रीम अनुभव में वेलेंसिया के फोटो में पानी में बही कारों का जो अंबार व कबाड़ दिखा वह चेतावनी है कि इलाका कितना ही समर्थ क्यों न हो प्रकृति के विनाश में किसी के बचने के अवसर नहीं हैं। इस साल भारत, दक्षिण एशिया में भी अतिवर्षा, बाढ़, गर्मी का एक्स्ट्रीम था लेकिन हम क्योंकि आदि हैं तो दिल-दिमाग वैसे विचलित नहीं हुआ जैसे वेलेंसिया के अनुभव से यूरोप विचलित है। सभी देख-जान-समझ रहे हैं कि पृथ्वी ऐसी ही यदि गर्म होती गई तथा जलवायु परिवर्तनों के अनुभवों में मानवता को हर समय जूझते रहना पड़ा तो सदी के आखिर में कहां पहुंचे हुए होंगे, लेकिन बावजूद इसके गंभीर कोई नहीं है!

दूसरी तरफ यह लाइव इतिहास भी है कि अतंरिक्ष यान वैसे ही उड़ और लैंड करने लगे हैं, जैसे एक हवाई जहाज करता है। एआई मानव बुद्धि को रिप्लेस कर रही है। विज्ञान ऐसी दवाईयां बना रहा है जिनसे मनुष्य शरीर आगे डायबिटीज, हार्ट, प्रोस्टेट, मोटापे, मानसिक बीमारियों से मुक्ति पाएगा। लोगों को कमाई करने की जरूरत ही नहीं होगी। यूनिवर्सल इनकम की सुकून भरी जिंदगी में मनुष्य को सिर्फ अपने शगल, मौज-मस्ती में जीना है। वे सब काम रोबो और एआई करेंगे, जिन्हें मनुष्य करता हुआ है।

सोचें, कैसे दो एक्स्ट्रीम हैं। एक तरफ शी जिनफिंग, पुतिन, नेतन्याहू, डोनाल्ड ट्रंप, खुमैनी जैसों की जाहिल जिद्द लाइव है, प्राकृतिक आपदाएं हैं तो दूसरी और ज्ञान-विज्ञान के वे सत्य शोध हैं, जिससे मनुष्य के लिए अंतरिक्ष भी खुलता हुआ है!

असली अमेरिकी चेहरे को बेनकाब करता चुनाव

योगेंद्र यादव

विश्लेषण से पहले कबीरदास से क्षमायाचना करते हुए एक तुकबंदी पेश है- 'कमला ट्रंप दोऊ खड़े, काके करूं सखाय/ बलिहारी ट्रंप आपनो, जिन अमेरिका दियो दिखाय।' कवि कहता है कि मेरे सम्मुख डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस दोनों खड़े हैं, और इस नाचीज हिंदुस्तानी की दुविधा है कि किससे दोस्ती करूं। फिर उसके समक्ष सत्य का प्रकाश होता है और वह कह उठता है- जय हो ट्रंप साहब की, जिन्होंने पूरी दुनिया को अमेरिका का सच्चा चेहरा दिखा दिया।

अमेरिकी चुनाव को देखने के तीन नजरिये हो सकते हैं। पहला, बाकी दुनिया की तरह हम उत्सुकता से परिणाम का अनुमान लगा सकते हैं, मानो यह इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट मैच हो। अमेरिकी राजनीति के विद्वानों की राय मानें, तो इस बार कांटे की टक्कर है। रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से दूसरी बार राष्ट्रपति चुने जाने के दावेदार ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से निवर्तमान उपराष्ट्रपति और पहली बार राष्ट्रपति चुनाव में उतरी हैरिस दोनों को लगभग बराबर वोट आने की संभावना है, कोई 45 प्रतिशत के आसपास।

अनुमान है कि वोटों में हैरिस दो-तीन प्रतिशत आगे रह सकती हैं। लेकिन अमेरिकी चुनाव पद्धति इतनी अजीब है कि अधिक वोट आने के बावजूद कमला हैरिस के हारने की संभावना ज्यादा है। दूसरा नजरिया एक चिंतित विश्व नागरिक का होगा। हम चिंता कर सकते हैं कि ट्रंप जैसे खड़ दिमाग का सबसे ताकतवर देश का राष्ट्रपति बनने का दुनिया पर क्या असर पड़ेगा। सच यह भी है कि हमारी चिंता करने से कुछ होने-जाने वाला नहीं है। यूं भी, कोई अमेरिकी राष्ट्रपति बने, हमारे जैसे देशों के लिए कोई खास फर्क पड़ने वाला नहीं है।

तीसरा नजरिया हो सकता है- एक ठेठ हिंदुस्तानी नजरिया। बेगाने की शादी में अब्दुल्ला दीवाना बनने के बजाय हम दूर से इस चुनाव को देखें और सीखें। चुनावी घमासान के चलते अचानक अमेरिकी सपने का सुनहरा पर्दा गिर गया है। उसका फायदा उठाकर दुनिया को लोकतंत्र का उपदेश देने वाली जन्नत की हकीकत देखने का मौका ना छोड़ें। इस नजर से देखने पर हमें सबसे आगे डोनाल्ड ट्रंप नामक महाशय मिलेंगे, जिनके साथ आधा अमेरिका खड़ा है, आधे से ज्यादा श्वेत और मर्द मतदाता खड़े हैं, ऐलन मस्क जैसे रईस खड़े हैं। कोई ऐसा कुकर्म नहीं है, जिससे इन्हें परहेज रहा हो।

ट्रंप ने रियल एस्टेट और बिल्डर के काम से 660 करोड़ डॉलर (लगभग 55,000 करोड़ रुपये) का साम्राज्य बनाया है, टैक्स फ्रॉड में पकड़े जा चुके हैं। झूठ और नफरत का धंधा भी खुलकर चलाते हैं। अप्रवासियों के बारे में अफवाह फैलाते हैं। ट्रंप सच और झूठ के बीच कोई भेद नहीं करते। वहां का मीडिया उनके झूठ को झूठ बताने में कोताही नहीं करता। ट्रंप औरतों के मामले में बदनाम हैं, तीन बार शादी की है, दर्जनों अफेयर रहे हैं, औरतों के बारे में अश्लील टिप्पणियां भी करते रहे हैं। उनके साथ काम करने वाले अनगिनत लोग उनकी बेईमानी, बदमजगी, बेवकूफी, बदतमीजी और बेहयाई की शिकायत कर उनका साथ छोड़ चुके हैं। पिछली बार चुनाव हारने के बाद ट्रंप साहब ने अपने समर्थकों को संसद भवन पर हमला करने के लिए उकसाया और अमेरिकी इतिहास में पहली बार तख्ता पलटने की कोशिश करवायी।

आप सोचेंगे कि ऐसी छवि वाला व्यक्ति सार्वजनिक जीवन में बचा कैसे है। यह सवाल आपको मंच के दूसरी तरफ ले जायेगा, जहां एक बुजुर्ग जो बाइडेन मिलेंगे। खोये-खोये से लड़खड़ाते हुए यह सज्जन अमेरिका के राष्ट्रपति हैं और दुनिया की सबसे ताक़तवर फौज के कमांडर हैं। कुछ महीने पहले तक वे डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार भी थे। वो तो भला हो एक टीवी डिबेट का, जिसमें ट्रंप से बहस करते हुए उनकी मानसिक अवस्था की कलई खुल गयी और उनके समर्थकों को उन्हें बीच रास्ते दौड़ से बाहर निकालना पड़ा।

अब ट्रंप का मुकाबला कर रही हैं कमला देवी हैरिस। भारतीय मूल की तमिल माता और जमैका के अश्वेत पिता की संतान कमला एक अश्वेत महिला हैं, पढ़ी लिखी हैं, स्वस्थ हैं और बोलने में चुस्त। उनकी पृष्ठभूमि से आप यह ना समझ लें कि उन्हें भारत या तीसरी दुनिया के अश्वेत लोगों से कोई हमदर्दी है। इस मायने में वे अमेरिकी मुख्यधारा की राजनीति की प्रवक्ता हैं। वे इस्राइल की समर्थक हैं, दुनिया में अमेरिकी दादागिरी की वकालत करती हैं और देश के भीतर थैलीशाहों के साथ हैं। उन पर कोई बड़ा आरोप नहीं है- न कुछ बुरा करने का, न कुछ अच्छा करने का, न बुरा बोलने का, न अच्छा सोचने का। तमाम बड़े नेताओं की तरह वे भी विचार मुक्त हैं। यह है विकल्प अमेरिकी जनता के सामने।

अगर आप दुनिया के हाशिये पर बैठकर देखेंगे, तो आप समझेंगे कि असली सवाल यह नहीं है कि कौन जीतेगा। सवाल यह है कि अमेरिकी चुनाव इन विकल्पों तक क्यों सिमट गया है। क्या उस समाज का रातोंरात ऐसा पतन हो गया है या हमें अचानक उसका पूरा सच देखने का मौका मिल गया है? क्या ट्रंप एक औसत अमेरिकी की दबी कुंठाओं और अमेरिकी चरित्र की अभिव्यक्ति हैं? या दुनियाभर में अब महामानव नेताओं से पिंड छुड़ाकर औसत की पूजा का युग शुरू हो गया है? जैसा अरस्तू का डर था- क्या लोकतंत्र भीड़तंत्र में बदल रहा है?

मेकअप के दौरान इस तरह से करें कंटूरिंग, चेहरे को मिलेगा बेहतरीन लुक

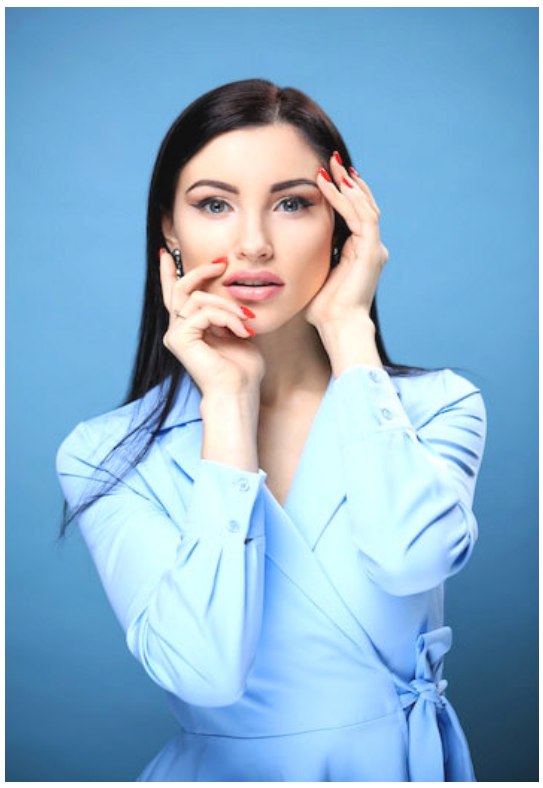

कंटूरिंग जहां पहले रनवे मॉडल और थिएटर कलाकारों के बीच आम थी, वहीं अब यह कई महिलाओं के दैनिक मेकअप रूटीन का हिस्सा बन गई है। कंटूरिंग को मेकअप बेस का हिस्सा माना जाता है। इसके डार्क और लाइट शेड्स से चेहरे को एक स्लिम और परफेक्ट लुक दिया जा सकता है। हालांकि, अगर आपको नहीं पता है कि कंटूरिंग कैसे करनी चाहिए तो आइए आज हम आपको इसके लिए कुछ मेकअप टिप्स देते हैं।

सबसे पहले प्राइमर, फाउंडेशन और कंसीलर लगाएं

सबसे पहले अपना चेहरा धोएं, ताकि त्वचा से सारी गंदगी और बैक्टीरिया दूर हो जाएं। इसके बाद चेहरे पर एक मैट फिनिश प्राइमर लगाएं, फिर नम मेकअप स्पंज का उपयोग करके सही फॉर्मूले वाला फाउंडेशन लगाएं। अब चेहरे के दाग-धब्बों और काले घेरों को छिपाने के लिए चेहरे पर कंसीलर लगाकर बफिंग ब्रश से इसे ब्लेंड करें। अंत में मेकअप बेस को सेट करने के लिए सेटिंग पाउडर का उपयोग करें।

सही कंटूरिंग उत्पाद और ब्रश चुनें

आप चाहें तो पाउडर या फिर क्रीमी कंटूरिंग शेड्स पैलेट का चयन कर सकती हैं। पाउडर मैट फिनिश देगा, जबकि क्रीमी कंटूरिंग चेहरे को नमी देती है। क्रीमी कंटूरिंग उत्पादों के साथ शुरुआत करना सबसे अच्छा है क्योंकि इन्हें ब्लेंड करना आसान होता है। इसके अलावा कंटूरिंग को ब्लेंड करने के लिए ऐसे ब्रश को चुनें, जो फ्लफी और एंगल्ड शेप में हो। मेकअप ब्रश को साफ करने के लिए ये तरीके अपनाएं।

इस तरह से लगाएं कंटूरिंग के डार्क और लाइट शेड्स

अगर आप चाहती हैं कि आपका मेकअप लुक एकदम बेहतरीन लगे तो कंटूरिंग के दौरान जगह के हिसाब से शेड्स लगाएं। उदाहरण के लिए, कंटूरिंग के दौरान आपको अपने गालों के मध्य भाग, माथे के ऊपरी किनारे, नाक के किनारों और अपने जबड़े पर कंटूरिंग का डॉर्क शेड लगाना चाहिए। इसके विपरीत ठुड्डी, माथे और नाक के बीच में कंटूरिंग का लाइट शेड लगाना चाहिए।

कंटूरिंग शेड्स लगाने के बाद अच्छे से करें ब्लेंड

भले ही आपने कितना भी महंगा कंटूरिंग पैलेट क्यों न खरीदा हो, लेकिन इसका फायदा आपको तब तक नहीं मिल सकता, जब तक इसे सही से लगाया न जाए। फाउंडेशन की तरह ही कंटूरिंग को ठीक से ब्लेंड करना जरूरी है। अगर आप इसे सही तरह से ब्लेंड नहीं करेंगी तो इससे आपका पूरा मेकअप लुक बिगड़ जाएगा। चेहरे पर डार्क और लाइट शेड्स लगाने के बाद इन्हें ढंग से ब्लेंड करें।

अंत में लगाएं हाइलाइटर

कंटूरिंग के बाद चेहरे के खास हिस्सों पर हाइलाइटर लगाएं। इसके लिए थोड़ा-सा हाइलाइटर मेकअप ब्रश पर लें और इसे चेहरे पर लगाने से पहले ब्रश को हल्का-सा झाड़ लें। इसके बाद अपने जबड़े, आंखों के अंदर वाले किनारों, नाक के बिंदु और होंठों की ऊपरी लाइन पर हाइलाइटर लगाएं। अगर आपका स्किन टोन डार्क है तो पीची गोल्ड और ब्रॉन्ज टोन्ड शेड हाइलाइटर चुनें, वहीं फेयर या मीडियम स्किन टोन वाली महिलाएं आईवरी हाइलाइटर चुन सकती हैं।

क्या आप भी कोल्ड ड्रिंक की बोतल में पानी भरकर रखते हैं? अगर हां तो इस वजह से आज ही बंद कर दें

हम भारतीय काम से ज्यादा जुगाड़ के लिए जाने जाते हैं. किसी भी काम को जल्दी और आसानी से करने के लिए हम तरह-तरह के जुगाड़ का इस्तेमाल करते हैं. जैसे खत्म हो रहे टूथपेस्ट से पेस्ट निकालना हो या पजामा में नाड़े डालने का काम पेन के जरिए करना हो. हमारे पास हर प्रॉब्लम का एक खास जुगाड़ होता है. इसी जुगाड़ के जरिए हम हर काम करने की कोशिश करते हैं.

कोल्ड ड्रिंक की बोतलों में पानी -गर्मी आते ही फ्रिज को हम पानी और कोल्ड ड्रिंक से भर देते हैं. घर में गेस्ट आए या घर के ही लोग ज्यादा से ज्यादा पानी पीते हैं. फ्रिज में फैंसी बोतलों के साथ कोल्ड ड्रिंक के बोतल में भी पानी भरकर रख दिया जाता है. ऐसा हम भारतीय इसलिए करते हैं क्योंकि हमें लगता है कि कोल्ड ड्रिंक की बोतल तो अभी एकदम नई है. इसमें कुछ दिन पानी डालकर इसका यूज किया जा सकता है. लेकिन आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आपका यह जुगाड़ आपकी हेल्थ के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है. इसलिए ऐसा करने से एकदम परहेज करें.

इससे होते हैं हेल्थ को गंभीर नुकसान-कोल्ड ड्रिंक हो या मिनरल वॉटर की बोतल उसमें कई दिनों तक अगर आप पानी भरकर रखते हैं तो इसका नुकसान सीधा आपके सेहत पर पड़ेगा. दरअसल, इन बोतलों में अगर आप काफी लंबे वक्त पानी भरकर रखते हैं तो इसमें फ्लोराइड और आर्सेनिक जैसे खतरनाक तत्व बनने लगते हैं. इससे शरीर को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचता है. साइंटिस्ट का मानना है कि यह शरीर के लिए स्लो पॉइजन है.

कैंसर होने का खतरा रहता है-रिपोर्ट्स के मुताबिक प्लास्टिक के बोतल में रखे पानी सीधा आपकी इम्युनिटी पर हमला करती है. इसलिए, कहा जाता है कि महंगी से महंगी प्लास्टिक के बोतल में पानी न पिएं. क्योंकि पलास्टिक के बोतल में पैदा हुए केमिकल शरीर पर गहरा असर डालता है. प्लास्टिक में मौजूद फैथलेट्स जैसे केमिकल लिवर पर गंभीर रूप से असर करती है. और यह लिवर को बीमार भी कर सकती है. ज्यादा देर तक प्लास्टिक के बोतल में पानी रखने से बीपीए पैदा होता है. बीपीए एक ऐसा केमिकल है जो शरीर में मोटापा, डायबिटीज और दूसरी कई तरह की बीमारियों का कारण बन सकती है. इसे बाइफिनाइल ए कहा जाता है. प्लास्टिक के बोतल में रखे पानी पर सूरज की रोशनी पड़ती है तो वह धीरे-धीरे उसे जहर बनाने लगती है. और यह कैंसर का कारण भी बन सकता है.

हार्ट और किडनी के लिए बहुत फायदेमंद है केला, जानें इस फल को खाना क्यों है जरूरी?

केला स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है. इसमें कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो सेहतमंद रहने के लिए बहुत जरूरी हैं.

केले को एनर्जी का पावरहाउस माना जाता है. यह एक एनर्जी बूस्टर है, जिसे खाने के बाद आपको इंस्टेंट एनर्जी मिल सकती है. केले में प्रचुर मात्रा में डाइटरी फाइबर, विटामिन सी, विटामिन बी -6 और मैग्नीज जैसे जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य को अलग-अलग तरीके से फायदे पहुंचाते हैं।

केले में फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है. यही वजह है कि ये पाचन के लिए फायदेमंद होता है. इस फल का सेवन करने से पाचन शक्ति मजबूत होती है.

केले में पोटैशियम भी अच्छी खासी मात्रा में पाया जाता है. पोटैशियम शरीर में तरल पदार्थ का स्तर सही बनाए रखने में सहायक है. ये दिल की धड़कन को भी मैनेज करता है. ब्लड प्रेशर पर सोडियम के असर को भी कम करता है. और सबसे जरूरी बात यह है कि पोटैशियम किडनी के लिए फायदेमंद होता है. केले का सेवन करने से किडनी में स्टोन के खतरे को कम किया जा सकता है.

केले का सेवन वैसे तो हर उम्र का व्यक्ति आराम से कर सकता है. हालांकि बच्चों और एथलीट्स को ब्रेकफास्ट में इसे जरूर खाना चाहिए. क्योंकि केला एनर्जी का लेवल बढ़ाने में मददगार है. केले में 3 तरह के नेचुरल शुगर पाए जाते हैं, पहला सूक्रोस, दूसरा फ्रक्टोस और तीसरा ग्लूकोस है. केला इम्यूनिटी बढ़ाने में भी आपकी मदद कर सकता है. शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए विटामिन सी जरूरी होता है, जो केले में पाया जाता है. एक मीडियम साइज का केला खाने से शरीर की विटामिन सी की कुल जरूरत का 10 प्रतिशत हिस्सा पूरा हो सकता है.

सिर्फ मूड ही नहीं सुधारती आइसक्रीम

आइसक्रीम का नाम सुनते किसी का भी खाने का मन कर जाए. भूख लगी हो या न लगी हो, आइसक्रीम खाने निकल पड़ते हैं. सर्दी, गर्मी, बरसात, आइसक्रीम हर सीजन में पसंद की जाती है. हालांकि, आम धारणा यह भी है कि यह सेहत के लिए ठीक नहीं होती है, क्योंकि इसमें शुगर, फ्लेवर, कलर जैसी चीजें मिलाई जाती है, जो कई बीमारियों का कारण बन सकती है. हालांकि, हाल ही की कुछ रिसर्च में ये बात पता चली कि आइसक्रीम का हमारी हेल्थ पर अच्छा असर डाल सकती है. द अटलांटिक मैग्जीन ने द आइसक्रीम कॉन्पिरेसी में बताया कि सालों खाने से कई बीमारियां दूर हो सकती है. यह सिर्फ मूड ही नहीं सुधारती, बल्कि शरीर और दिमाग पर भी खास असर डालती है.

आइस्क्रीम के फायदे

मेंटल हेल्थ को बूस्ट करती है

एक कप आइसक्रीम ही मिजाज बदल सकती है. जब भी अच्छा फील न हो, स्ट्रेस समझ आए तो आइस्क्रीम खा सकते हैं. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, आइसक्रीम नेचुरल कूलिंग एजेंट की तरह होता है, जो पेन रिलीफ और स्ट्रेस को दूर करने का काम करता है. इसके साथ ही दूध में ट्रिप्टोफन होता है जो कि ब्रेन में हैप्पी हॉर्मोन सेरोटोनिन रिलीज कर अच्छा बनाता है.

दिमाग को रखे दुरुस्त

लंदन के इंस्टीट्यूट ऑफ साइक्रियाट्री की 2021 की रिसर्च में पाया गया कि आइसक्रीम (द्बष्द्ध ष्टह्म्द्गड्डद्व) खाने के बाद दिमाग एक्टिव हो जाता है और प्रतिक्रिया देने लगता है. आइसक्रीम खाने से दिमाग का ऑर्बिटोफ्रंटल कॉर्टेक्स तेज हो जाता है, जो निर्णय लेने का काम करता है. मतलब आइस्क्रीम मूड को सुधारती है. आइसक्रीम में मौजूद कैल्शियम और मैग्नीशियम हमारे शरीर में तनाव को कम करने में मदद करते हैं. इससे हमारी नींद भी अच्छी होती है.

दिल की बीमारियों का रिस्क कम करे

आइसक्रीम खाने से हार्ट प्राब्लम्स का रिस्क घटता है. डेयरी प्रोडक्ट से बनी आइसक्रीम में मिल्क और फैट होने से एक खास तरह की झिल्ली बन जाती है, जो ब्लड में शुगर के जाने रफ्तार कम करती है.

डेटॉल क्लाईमेट रेजिलिएंट स्कूल ने डेटॉल स्कूल रेडियो पॉडकॉस्ट किया लॉन्च

हरिद्वार(संवाददाता)। दुनिया की प्रमुख उपभोक्ता स्वास्थ्य और स्वच्छता कंपनी रेकिट, ने अपने साझीदार प्लान इंडिया और ओहो रेडियो के साथ मिलकर अपने फ्लैगशिप अभियान डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया के तहत भारत का पहला स्कूल रेडियो पॉडकास्ट लॉन्च किया, जो जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित है यह एक समर्पित प्लेटफॉर्म है जो मिशन लाईफ-स्वास्थ्य और जलवायु लचीलापन के लिए सतत जीवनशैली को बढ़ावा देता है, और इसे उत्तराखंड के स्कूलों के बच्चों के साथ मिलकर को -क्रिएट किया गया है। इस पॉडकास्ट का शुभारंभ राजभवन, देहरादून में उत्तराखंड के माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह की उपस्थिति में किया गया। रेकिट के एक्सटर्नल अफेयर्स एंड पार्टनरशिप डायरेक्टर रवि भटनागर ने कहा रेकिट में, हम विश्वास करते हैं कि वास्तविक परिवर्तन तब आता है जब व्यक्ति, विशेषकर युवा लोग, उन मुद्दों की जिम्मेदारी लेते हैं जो उन्हें और उनके समुदायों को प्रभावित करते हैं। मिशन लाईफ का झंडा उठाते हुए, डेटॉल क्लाईमेट रेजिलेंट स्कूल द्वारा डेटॉल स्कूल रेडियो पॉडकास्ट हमें जागरूकता और कार्रवाई को जोड़ने का अवसर प्रदान करेगा और आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ, सतत प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करेगा, जो समाज और पृथ्वी दोनों के लिए लाभकारी हों। डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया इन मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, और मुझे यह विजन वास्तविकता में बदलते हुए देखना गर्व की बात है। उत्तराखंड सरकार और हमारे भविष्य के समर्थकों के सहयोग से, हम एक स्वच्छ, हरा-भरा भविष्य बनाने के लिए एक शक्तिशाली आंदोलन शुरू करने की उम्मीद करते हैं। अपने उद्घाटन भाषण में, उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य पहलों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी की महत्वता पर जोर दिया। उन्होंने कहा मैं रेकिट को इस पहल के लिए बधाई देना चाहता हूँ, जो सही समय पर शुरू की गई है, जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 नवम्बर को उत्तराखंड स्थापना दिवस के अवसर पर जलवायु, पर्यावरण और स्थानीय संस्कृति पर आधारित 9 महत्वपूर्ण प्रतिज्ञाओं का आह्वान किया। उत्तराखंड जैव विविधता की एक अद्वितीय भूमि है, जहां प्रकृति और संस्कृति हर एक दिल की धड़कन में बसी हुई हैं। राज्य के त्योहार सिर्फ उत्सव नहीं होते, वे वास्तव में पृथ्वी के प्रति श्रद्धा होते हैं। आरजे काव्या ने कहा आज, डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया स्कूल रेडियो पॉडकास्ट का लोगो राज्यपाल और रवि भटनागर, निदेशक एक्सटर्नल अफेयर्स एंड पार्टनरशिप, एसओए, रेकिट द्वारा अनावरण किया गया। यह बच्चों के बीच स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ओहो रेडियो प्लेटफॉर्म के माध्यम से, बच्चे आरजे की भूमिका निभाएंगे और हर रविवार को सुबह 11 बजे से 12 बजे तक 24 एपिसोड होस्ट करेंगे, जिसमें वे स्वच्छता और कल्याण पर महत्वपूर्ण संदेश फैलाएंगे।

बाल दिवस पर महिला एवं बाल विकास विभाग महालक्ष्मी किट वितरण कार्यक्रम आयोजित

हरिद्वार। बाल दिवस पर महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से महादेव नगर के अबोहर भवन में महालक्ष्मी किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर विधायक मदन कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की ओर अग्रसर है। लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा, आवागमन के सुगम साधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। साथ ही भरण पोषण से लेकर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार निरंतर नंदा गौरी योजना, महालक्ष्मी किट योजना को आम जनमानस तक पहुंचने का काम हमारी सरकार कर रही है। निवर्तमान पार्षद अनिल वशिष्ठ ने बताया कि महादेव नगर भीमगोड़ा और आसपास के 88 लाभार्थी परिवारों को महालक्ष्मी किट प्रदान की गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी सुलेखा सहगल, सुपरवाइजर रिचा गर्ग ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सरकार की सभी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करती हैं।

पंडित नेहरू आधुनिक भारत के निर्माता रहे

हरिद्वार। कांग्रेस की ओर से पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर आयोजित गोष्ठी में पूर्व कैबिनेट मंत्री नवप्रभात ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू को भारत ही नहीं पूरे विश्व में आधुनिक भारत के निर्माता, युगपुरुष और लोकतंत्र के मजबूत प्रहरी के रूप में याद किया जाता है। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अमन गर्ग और मुरली मनोहर ने कहा कि नेहरू को विनोबा भावे ने लोकदेव की उपाधि दी। रामधारी सिंह दिनकर ने अपनी पुस्तक लोकदेव नेहरू में कहा कि भारत के वो पहले ऐसे नेता थे जिन्हें धर्मनिरपेक्ष गुणों के कारण भारतीय लोग उन्हें प्रेम करते हैं। सुरेन्द्र सैनी और अवधेश पंत ने कहा कि नेहरू ने न सिर्फ आजादी के आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई बल्कि भारत की तस्वीर भी बदलने का काम किया। महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष संतोष चौहान और ओपी चौहान ने कहा कि नेहरू का जीवन हमें प्रेरणा देता है कि कैसे अपने व्यक्तित्व से उन्होंने पूरे विश्व में अपना लोहा मनवाया।

चमोली से तस्करी कर लाई गई चरस बरामद, एक धरा

हरिद्वार। रानीपुर पुलिस के हत्थे चढ़े एक तस्कर के कब्जे से 402 ग्राम चरस, 2400 रुपये बरामद किए। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस ऐक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया। कोतवाली प्रभारी कमल मोहन भंडारी ने बताया कि बुधवार देर रात पुलिस टीम ने गश्त के दौरान सलेमपुर पिकेट से जमालपुर गांव मार्ग पर एक व्यक्ति को खड़ा देखा। उन्होंने उसे अपने पास बुलाया तब वह उन्हें देखकर भागने लग गया। पुलिस टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। उसके कब्जे से मिले एक पिट्ठू बैग से चरस बरामद हुई, जिसकी जेब से रकम भी बरामद हुई। कोतवाली लाकर की गई।

मुख्यमंत्री धामी ने 72वॉ राजकीय गौचर मेले का किया शुभारंभ

चमोली । गौचर में 72वॉ राजकीय औद्योगिक विकास एवं सांस्कृतिक मेले का आगाज हो गया है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को गौचर मेले का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने चमोली में 4.93 करोड़ की लागत से नवनिर्मित उप संभागीय परिवहन कार्यालय भवन का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने पोखरी में रानौ-सिमखोली मोटर मार्ग, काफलपानी से भरतपुर तक मोटर मार्ग विस्तारीकरण, जिलासू-सरणा मोटर मार्ग निर्माण, चमोली प्रेस क्लब को कक्ष निर्माण हेतु 10 लाख की स्वीकृति, आगामी नंदादेवी राजजात यात्रा के लिए ढांचागत सुविधाओं के विकास हेतु माह दिसंबर में उच्च स्तरीय बैठक कराने और पोखरी में पालिटेक्निक भवन निर्माण कार्य पूरा कराने की घोषणा भी की। गौचर मेले में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गौचर मेला संस्कृति, बाजार तथा उद्योग तीनों के समन्वय के कारण एक प्रसिद्ध राजकीय मेला है। मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक गौचर मेले के शुभारंभ पर सबको बधाई देते हुए कहा कि सात दशकों से अधिक समय से इस मेले का आयोजन हमारे राज्य और सब क्षेत्रवासियों के लिए गर्व की बात है। गौचर मेला हमारे राज्य के प्रमुख ऐतिहासिक मेलों में से एक है, जिसमें सरकार की विभिन्न विभाग सक्रिय होकर प्रतिभाग करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेले हमारे जीवन में बहुत विशेष स्थान रखते हैं। मेलों के माध्यम से समृद्ध परंपराएं को संजोने में सहायता मिलती है। साथ ही मेले, मनोरंजन और सामाजिक मेल मिलाप मे भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गौचर का मेला अन्य मेलों और विशेष है। यह मेला हमारी संस्कृति को संजोने एंव व्यापारिक गतिविधियों को भी एक बड़ा मंच प्रदान करता आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में एक ओर भारत में सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित किया जा रहा है। वहीं वोकल फार लोकल, मेक इन इंडिया, मेड इन इंडिया जैसे पहलुओं के माध्यम से हमारे स्थानीय उद्योगों और स्वयं सहायता समूह में काम करने वाली महिलाओं को प्रोत्साहित करने का काम किया जा रहा है। इस दिशा में हमारी सरकार ने कई महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरुआत भी की है। जिसमें स्थानीय उत्पादों को राज्य में ही नहीं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पहचान मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि पहाड़ों से हो रहे पलायनों को रोका जाए तथा गांव में पर्यटन को बढ़ावा देकर स्थानीय निवासियों को रोजगार के अवसर प्रदान किया जाए। राज्य सरकार के प्रयासों से फिल्म शूटिंग के लिए भी उत्तराखंड एक बहुत ही पसंदीदा डेस्टिनेशन के रूप में उभरा है। वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में भी उत्तराखंड ने एक बड़ी पहचान स्थापित की है। सरकार द्वारा पर्वतीय क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए वैलनेस, आईटी और सौर ऊर्जा जैसे विशेष सेक्टर पर भी ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में गोचर में हेली सेवा की शुरुआत की गई है। जिससे इस क्षेत्र में पर्यटन अर्थव्यवस्था को एक नई मजबूती मिलेगी। आपदा के समय में भी इसका लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ उत्तराखंड को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए विकल्प रहित संकल्प के मूल मंत्र के साथ निरंतर काम कर रही है। सीएम ने कहा कि आपका मुख्य सेवक आपको विश्वास दिलाता है कि जब तक उत्तराखंड देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य नहीं बन जाएगा, हम चेन से नही बैठेंगे। मुख्यमंत्री ने मेले को भव्य एवं आकर्षक स्वरूप देने के लिए जिला प्रशासन की सराहना भी की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकारिता जगत में उत्कृष्ट कार्य करने पर वरिष्ठ पत्रकार क्रांति भट्ट को पं0 गोविन्द प्रसाद नौटियाल स्मृति सम्मान और श्री गुरू राम राय एजुकेशन मिशन देहरादून को शिक्षा और साहित्य प्रसार के लिए पंडित महेशानन्द नौटियाल स्मृति सम्मान से सम्मानित किया। गौचर मेले में पहले दिन ईष्ट रावल देवता की पूजा के बाद प्रात: स्कूली बच्चों ने प्रभात फेरी निकाली। मेलाध्यक्ष द्वारा झंडा रोहण कर मार्च पास्ट की सलामी ली गई। खेल मैदान में बालक एवं बालिकाओं की प्रतियोगात्मक दौड़, नेहरू चित्रकला प्रतियोगिता, शिशु प्रदर्शनी और शिक्षण संस्थाओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। खेल विभाग के तत्वावधान में जनपद स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता शुरू हुई। मेले की पहली सांस्कृतिक संध्या पर रात्रि को लोक गायक सुशील राजश्री, अमति खरे और अंजलि खरे द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएंगी। गौचर मेले में पारंपरिक पहाड़ी संस्कृति से सजा पंडाल मेलार्थियों के बीच खास आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट और कैबनेट मंत्री डा धन सिंह रावत ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा किए जा रहे विकास कार्यो सराहना करते हुए कहा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य का विकास तेजी से आगे बढ रहा है। क्षेत्रीय विधायक अनिल नौटियाल ने गौचर मेले का शुभारंभ करने पर मुख्यमंत्री का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया। विधायक ने कर्णप्रयाग विधानसभा सभा क्षेत्र में बेस चिकित्सालय की स्वीकृति, गौचर पेयजल योजना के लिए 35 करोड़ की स्वीकृति, मिनी स्टेडियम निर्माण, गौचर चिकित्सालय का उच्चीकरण, प0दीनदयाल उपाध्याय पार्क का सौन्दर्यीकरण सहित अनेक विकास कार्यो के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कर्णप्रयाग में स्थित उमा देवी मंदिर में आस्था पथ निर्माण सहित कई विकास कार्यो के लिए अपना मांग पत्र भी दिया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेंद्र भंडारी, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रमेश मैखुरी, राज्यमंत्री श्री रमेश गडिया, ब्लाक प्रमुख चन्द्रेश्वरी रावत, आईजी गढवाल के. एस नगन्याल, जिलाधिकारी/मेलाध्यक्ष संदीप तिवारी, पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, मुख्य विकास अधिकारी नंदन कुमार, मेलाधिकारी संतोष कुमार पांडेय समेत बड़ी संख्या में मेलार्थी मौजूद थे।

महिलाओं और युवाओं की विरोधी है कांग्रेस, इस पार्टी ने कभी इनका भला नहीं किया : रेखा आर्या

रुद्रप्रयाग/अगस्त्यमुनि, (संवाददाता)। प्रदेश की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र में अपने प्रचार को तेज कर दिया है। रेखा आर्या ने आज क्षेत्र के अगस्त्यमुनि नगर मंडल के अंतर्गत सिल्ली, सौडभटगाँव, क्यार्क, नाकोट और बनयाडी गांवों में नुक्कड़ सभाएं कर अपनी पार्टी की उम्मीदवार आशा नौटियाल के लिए वोट मांगे। जन संवाद के दौरान मंत्री रेखा आर्या ने जनता की समस्याओं और चुनौतियों को गंभीरता से सुना और चुनाव के उपरांत उनके निराकरण का आश्वासन भी दिया। अपने संबोधन में मंत्री रेखा आर्या ने केदारवसियों से कहा कि यह सरकार बनाने का चुनाव नहीं बल्कि अपनी विधानसभा के लिए एक समर्पित और उचित प्रतिनिधि चुनने का चुनाव है। रेखा आर्या बोलीं कि जनता ऐसा विधायक चुने जो क्षेत्र के विकास में 'ट्रिपल इंजन' जोड़े और क्षेत्र वासियों के लिए समर्पित होकर कार्य करे। मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि भाजपा ने मातृशक्ति के रूप में बहन शैला रानी रावत जी को केदारनाथ के प्रतिनिधित्व का अवसर दिया था और एक बार फिर भाजपा ने महिला पर भरोसा जताकर मातृशक्ति के रूप में आशा नौटियाल को केदारनाथ विधानसभा का प्रत्याशी बनाया है।यह पार्टी की महिला हितैषी नीति का ही प्रमाण है, इसीलिए हम केदार की जनता से अनुरोध करते है कि आगामी 20 तारीख़ को कमल के फूल का बटन दबाकर भाजपा प्रत्याशी बहन आशा नौटियाल को भारी मतों से विजयी बनाएं। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि केदारनाथ के पूर्व में विधायक रहे कांग्रेस प्रत्याशी, अपने विधायक रहते विधायक निधि तक को पूरा खर्च नहीं कर पाए थे। इसीलिए जनता अब आशा नौटियाल के रूप मे एक ऐसा विधायक चुनने जा रही है जोकि केवल और केवल क्षेत्र के विकास हेतु संकल्पित है।

स्वामी,मुद्रक व प्रकाशक अवनीश कुमार द्वारा भगवती प्रिंटर्स,इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार से छपवाकर ग्रा. बसवाखेड़ी पो. मंगलौर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) से प्रकाशित किया।
सम्पादक: अवनीश कुमार, मो0 9410553400
ई-मेल: liveskgnews@gmail.com
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार न्यायालय में ही होगा)
सभी लेखों में सम्पादक की सहमति जरूरी नही है।